

उत्तराखण्ड शासन
समाज कल्याण अनुभाग-2
संख्या 1139/XVII-2/2015-10(01)/2009
देहरादून: दिनांक: 04 अगस्त, 2015

अधिसूचना संख्या: 1138/XVII-2/2015-10(01)/2009 दिनांक 04 अगस्त, 2015 को प्रख्यापित "परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक रूप से विकृत/विक्षिप्त पति अथवा पत्नी एवं निराश्रित अविवाहित महिलाओं हेतु भरण-पोषण अनुदान योजना (संशोधन) नियमावली, 2015" की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 2- अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- प्रमुख सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
- 6- प्रमुख सचिव, विधानसभा, उत्तराखण्ड।
- 7- समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष, उत्तराखण्ड।
- 8- समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- उत्तराखण्ड सचिवालय के समस्त अनुभाग।
- 10- निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 11- निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री, रुड़की, हरिद्वार को उक्त नियमावली-2011 की हिन्दी प्रति संलग्न करते हुए इस निर्देश के साथ प्रेषित कि इसे असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट भाग-4 खण्ड-ख में मुद्रित कराकर इसकी 150 प्रतियां समाज कल्याण अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

अ. 4/15

(अतुल कुमार गुप्ता)
अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन
समाज कल्याण अनुभाग-2
संख्या: 1138/ XVII-2/14-10(01)/2009
देहरादून: दिनांक ०५ अगस्त 2015

अधिसूचना

राज्यपाल "भारत का संविधान" के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक रूप से विकृत व्यक्तियों की पत्नी एवं निराश्रित अविवाहित महिलाओं हेतु भरण-पोषण अनुदान योजना की नियमावली, 2011 में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक रूप से विकृत/विक्षिप्त पति अथवा पत्नी एवं निराश्रित अविवाहित महिलाओं हेतु भरण-पोषण अनुदान योजना (संशोधन) नियमावली, 2015

संक्षिप्त नाम एवं प्रारम्भ

1(1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक रूप से विकृत/विक्षिप्त पति अथवा पत्नी एवं निराश्रित अविवाहित महिलाओं हेतु भरण पोषण अनुदान योजना (संशोधन) नियमावली, 2015 होगा।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियमावली के नियम 3 का प्रतिस्थापन

2. परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक रूप से विकृत/विक्षिप्त पति अथवा पत्नी एवं निराश्रित अविवाहित महिलाओं हेतु भरण-पोषण अनुदान योजना नियमावली, 2011 जिसे यहाँ आगे मूल नियमावली कहा गया है, में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये वर्तमान नियम 3 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा; अर्थात्

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

नियम 3. परिभाषा :-

निराश्रित परित्यक्ता महिला की श्रेणी में ऐसी विवाहित महिलाओं को सम्मिलित किया जायेगा जिन्हें शादी के उपरान्त 07 वर्ष से अधिक का समय व्यतीत हो गया हो और पति लापता हो गया हो अथवा पति के द्वारा परित्याग कर दिया गया हो तथा उसके भरण-पोषण हेतु निर्वाह भत्ता स्वयं

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

नियम 3. परिभाषा :-

निराश्रित परित्यक्ता महिला की श्रेणी में ऐसी विवाहित महिलाओं को सम्मिलित किया जायेगा जिन्हें शादी के उपरान्त 01 वर्ष से अधिक का समय व्यतीत हो गया हो और पति लापता हो गया हो। अथवा पति के द्वारा परित्याग कर दिया गया हो तथा उसके भरण-पोषण हेतु निर्वाह भत्ता स्वयं

अथवा न्यायालय के आदेशों के क्रम में प्रदान नहीं किया जा रहा हो, परित्यक्ता महिला ससुराल अथवा अपने पैतृक ग्राम में से किसी भी स्थान पर निवास कर रही हो पर विचार किया जायेगा।

ऐसी महिलाएँ जिनके पति मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण कोई काम काज करने में असमर्थ हों तथा अपने परिवार का भरण-पोषण में अक्षम हो चुके हों।

3. नियम 4(क) का संशोधन मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 4(क) का उपनियम (1) और (2) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा; अर्थात्

स्तम्भ-1
वर्तमान नियम

4. पात्रता :-

(क) परित्यक्ता विवाहित महिला:

(1) महिला की उम्र 35 वर्ष से अधिक एवं 60 वर्ष से कम हो किन्तु शादी के बाद पति द्वारा छोड़े जाने का कम से कम 7 वर्ष का समय व्यतीत हो गया हो।

(2) पति के लापता होने पर लापता अवधि भी 7 वर्ष से अधिक की होनी चाहिए एवं पति के लापता की पुष्टि तहसीलदार/ उप जिलाधिकारी के स्तर से की जानी चाहिए।

4. नियम 4(ख) का संशोधन मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 4(ख) के उपनियम (3) (4) (5) और (6) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा; अर्थात्

स्तम्भ-1
वर्तमान नियम

4(ख) मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की पत्नी को भरण-पोषण अनुदान की पात्रता:

(3) ऐसी महिलाएँ जिनके पति मानसिक रूप से विक्षिप्त हों और मानसिक विक्षिप्तता के कारण उनके द्वारा अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं किया जा रहा हों।

अथवा न्यायालय के आदेशों के क्रम में प्रदान नहीं किया जा रहा हो, परित्यक्ता महिला, अपने निकट सम्बन्धियों, ससुराल अथवा अपने पैतृक ग्राम में से किसी भी स्थान पर निवास कर रही हो पर विचार किया जायेगा।

ऐसे पति अथवा पत्नी जो मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण काम काज करने में असमर्थ हों तथा अपने परिवार का भरण-पोषण करने में अक्षम हो चुके हों।

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

4. पात्रता :-

(क) परित्यक्ता विवाहित महिला :

(1) महिला की उम्र 18 वर्ष से अधिक एवं 60 वर्ष से कम हो किन्तु शादी के बाद पति द्वारा छोड़े जाने का कम से कम 01 वर्ष का समय व्यतीत हो गया हो।

(2) पति के लापता होने पर लापता अवधि भी 01 वर्ष से अधिक की होनी चाहिए एवं पति के लापता होने/छोड़े जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित द्वारा स्व घोषणा पत्र प्रस्तुत किया जायेगा, जिसे सम्बन्धित ग्राम प्रधान/ वार्ड सदस्य द्वारा प्रमाणीकृत किया गया हो।

स्तम्भ-2
एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

4(ख) मानसिक रूप से विक्षिप्त पति अथवा पत्नी को भरण-पोषण अनुदान की पात्रता:

(3) ऐसे पति अथवा पत्नी जो मानसिक रूप से विक्षिप्त हों और मानसिक विक्षिप्तता के कारण उनके द्वारा अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं किया जा रहा हों।

(4) यदि भरण-पोषण अनुदान स्वीकृत होने के उपरान्त महिला का पति उपचार के बाद अपने परिवार का भरण-पोषण करने में सक्षम हो जाता है, तो अनुदान की सुविधा को समाप्त कर दिया जायेगा।

(5) ऐसी महिला यदि 60 वर्ष की उम्र प्राप्त कर लेती है एवं तत्समय वह वृद्धावस्था पेंशन हेतु पात्रता में आती है तो उसे वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत की जायेगी एवं यह सुविधा समाप्त कर दी जायेगी। प्रतिबन्ध यह है कि जब तक संबंधित महिला को वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत/भुगतान नहीं होती तब तक उसे इस योजना से पेंशन जारी रखी जायेगी।

(6) सरकारी चिकित्सालय के चिकित्साधिकारी द्वारा संबंधित महिला के पति को मानसिक रूप से विक्षिप्त होने की स्थिति को अंकित करते हुए धनोपार्जन हेतु अक्षमता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हों।

(4) यदि भरण-पोषण अनुदान स्वीकृत होने के उपरान्त पति अथवा पत्नी उपचार के बाद अपने परिवार का भरण-पोषण करने में सक्षम हो जाता है, तो अनुदान की सुविधा को समाप्त कर दिया जायेगा।

(5) ऐसे पति अथवा पत्नी यदि 60 वर्ष की उम्र प्राप्त कर लेती है एवं तत्समय वह वृद्धावस्था पेंशन हेतु पात्रता में आती है तो उसे वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत की जायेगी एवं यह सुविधा समाप्त कर दी जायेगी। प्रतिबन्ध यह कि जब तक सम्बन्धित पति अथवा पत्नी को वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृत/भुगतान नहीं होती तब तक उसे इस योजना से पेंशन जारी रखी जायेगी।

(6) सरकारी चिकित्सालय के चिकित्साधिकारी द्वारा सम्बन्धित पति अथवा पत्नी को मानसिक रूप से विक्षिप्त होने की स्थिति को अंकित करते हुए धनोपार्जन हेतु अक्षमता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हों।

5. नियम 5 का संशोधन मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 5 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा; अर्थात्

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

5. स्वीकृति :-

निराश्रित परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक विक्षिप्त व्यक्तियों की पत्नी एवं अविवाहित महिला भरण-पोषण अनुदान की स्वीकृति ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत द्वारा की जायेगी जबकि नगरीय क्षेत्र में स्वीकृति का अधिकार उप जिलाधिकारी अथवा नगर मजिस्ट्रेट में निहित होगा।

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

5. स्वीकृति :-

निराश्रित परित्यक्ता विवाहित महिला, मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति (पति) अथवा पत्नी एवं अविवाहित महिला भरण-पोषण अनुदान की स्वीकृति ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम पंचायत द्वारा की जायेगी जबकि नगरीय क्षेत्र में स्वीकृति का अधिकार उप जिलाधिकारी अथवा नगर मजिस्ट्रेट में निहित होगा।

6. नियम 6 का संशोधन मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 6(4) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा; अर्थात्

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

6. प्रक्रिया :-

(4) परित्यक्ता महिला के मामले में शादी की अवधि 7 वर्ष से अधिक हो जाने तथा

स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

6. प्रक्रिया :-

(4) परित्यक्ता महिला के मामले में शादी की अवधि 01 वर्ष से अधिक हो जाने तथा

पति के 7 वर्ष से अधिक समय से लापता होने की पुष्टि तहसीलदार/उपजिलाधिकारी/नगर मजिस्ट्रेट द्वारा प्रमाणित किया गया हो।

पति के 01 वर्ष से अधिक समय से लापता होने/छोड़े जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित द्वारा स्व घोषणा पत्र प्रस्तुत किया जायेगा, जिसे सम्बन्धित ग्राम प्रधान/वार्ड सदस्य द्वारा प्रमाणीकृत किया गया हो।

7. नियम 7 का संशोधन मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम 7 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा; अर्थात्

स्तम्भ-1

वर्तमान नियम

7. अनुदान की राशि :-

उपरोक्त तीनों श्रेणी की पात्र महिलाओं को ₹ 800/-प्रतिमाह की दर से भरण-पोषण अनुदान प्रदान किया जावेगा।

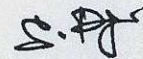
स्तम्भ-2

एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

7. अनुदान की राशि :-

नियमानुसार पात्र परित्यक्ता विवाहित महिला, निराश्रित अविवाहित महिलाओं को ₹ 800/- प्रतिमाह की दर से तथा मानसिक रूप से विक्षिप्त पति अथवा पत्नी को ₹ 1200/- प्रतिमाह की दर से भरण-पोषण अनुदान प्रदान किया जावेगा।

भवदीय,



(एस0 राजू)

अपर मुख्य सचिव।